सैनिक मित्र
मासिक पत्रिका
अक्टूबर, 2021

संवाद

VOLUME - 01 | ISSUE - 03

राष्ट्र रक्षा न समं पुण्यम्

समाज और देश के प्रति समर्पण

भाव से बन रहे हैं सैनिक मित्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

राम राघोबा राणे

मध्यम मशीन से दुश्मन के विमान को मार गिराया

भारतीय सेना में निकली भर्ती

ग्रेजुएट पास महिला–पुरुष अभ्यर्थी करें आवेदन

एनडीए में भारतीय बेटियाँ

एनडीए में इसी वर्ष से प्रवेश प्रारम्भ

समाज और देश के प्रति समर्पण
भाव से बन रहे हैं सैनिक मित्र

सैनिक मित्र योजना के तहत पश्चिम उत्तर प्रदेश में जिलेवार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमें लोग जिम्मेदारी निभाने के लिए बड़ी ही उत्साह से आगे आ रहे है। राष्ट्रीय संयोजक डॉ हेमेंद्र सिंह यादव और आरएसएस पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड क्षेत्र के कार्यकारिणी सदस्य श्री गंगाराम जी के नेतृत्व में वैशाली महानगर में आयोजित कार्यक्रम में श्री संजीव गुप्ता को जिला संयोजक चुना गया, मेरठ जिले में अधिवक्ता श्री शिवम शर्मा को महानगर संयोजक चुना गया और नोएडा में श्री ज्ञानप्रकाश गुप्ता (सीए) को महानगर संयोजक चुना गया। योजना के तहत काफी लोगों ने सदस्यता ग्रहण की और अपने समाज और देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करने का वचन लिया।

यज्ञ का आयोजन - रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर

दिनांक 06–09–2021, दिन–सोमवार, को रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर खंडवाया, शिकारपुर में लोकडाउन के बाद विधिवत शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के अवसर पर यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गंगाराम जी ने कहा कि शिक्षा ही संसार में एक मात्र साधन है जिसके द्वारा मानव अपने जीवन का सर्वांगीण विकास करते हुए समाज और राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जाता है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविंद गुप्ता जी ने सभी छात्रों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

यज्ञ में विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री नरेश सिंघल जी सपत्नी यजमान रहे।

एनडीए में इसी वर्ष से प्रवेश पा सकेंगी भारतीय बेटियाँ

रवि पाराशर

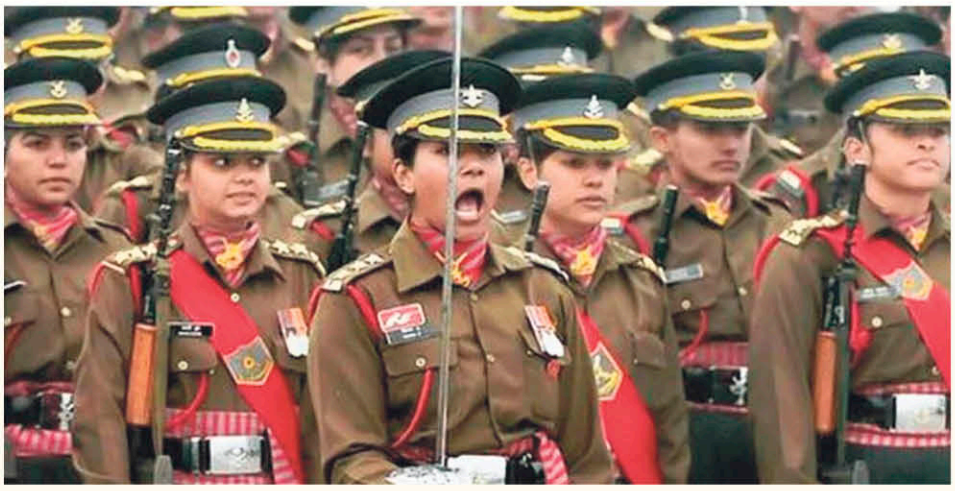

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75वें वर्ष में भारत की बेटियों के लिए अप्रतिम खुशखबरी आखिरकार आ ही गई। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि भारत की बेटियों को इसी साल से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी यानी एनडीए की प्रवेश परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाए। इससे पहले केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया था कि वह इस बात की तैयारी कर रही है कि लड़कियां अगले साल यानी मई, 2022 की एनडीए प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकें। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब स्पष्ट हो गया है कि आजाद भारत में जल्द ही एनडीए का पहला महिला बैच ट्रेनिंग लेने के लिए विधिवत तैयार हो जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में इससे पहले भी सेना में नौकरी करने की इच्छुक महिलाओं के लिए कई अच्छी खबरें आती रही हैं। अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि एक अध्ययन समूह का गठन कर दिया गया है, जो एनडीए में लड़कियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम के विकास पर विचार करेगा। लड़कियां एनडीए के माध्यम से अब सेना के तीनों अंगों में अफ़सरों के पद पर तैनाती पा सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी गई है कि पाठ्यक्रम तैयार करने के साथ ही दूसरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। एनडीए में लड़कियों की भर्ती को देखते हुए कई तरह के खास इंतजाम किए जा रहे हैं। खड़कवासला के सैनिक हॉस्पिटल में महिला डॉक्टरों, नर्सों और दूसरे पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि इस आशय के लिए दायर की गई याचिका का निपटारा कर दिया जाए।

साफ़ है कि भारतीय सेना में अब महिलाएं हर मोर्चे पर पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर सेवा करती दिखाई देंगी। इतना ही नहीं, बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइज़ेशन में भी पहली बार सड़क निर्माण यूनिट का ज़िम्मा महिला अफ़सर को सौंपा गया है। पिछले महीने ही पांच महिला अफ़सरों को पहली बार कर्नल रैंक पर प्रमोशन दिया गया था। इस तरह भारतीय महिलाएं अब शौर्य की नई गाथाएं लिखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अभी यह तय नहीं किया गया है कि एनडीए में कितनी लड़कियों को हर वर्ष प्रवेश दिया जाएगा। लेकिन अब यह तो तय है कि वर्ष 2022 के बाद पासिंग आउट परेड में भारतीय बेटियां भी अपनी चमक और धमक दर्ज कराएंगी और उनके माता–पिता को अफसर के तौर पर उनके कंधे पर बैज लगाने का अवसर मिलेगा। स्पष्ट है कि सेना और बहुत से दूसरे ऐसे मोर्चों पर भारत की बेटियों के कदम तेजी से अग्रसर हैं, जहां अभी तक पुरुषों का ही वर्चस्व जाता था। बेटियां भारत के भाल का तेज बढ़ाती रहेंगी। जयहिंद!!

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाएं, तो मैं भारतीय राजनीति का नक्शा बदल दूँ - डॉ. मुखर्जी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के "नगला चन्द्रभान" ग्राम में हुआ था। उनके पिता का नाम भगवती प्रसाद उपाध्याय था, जो नगला चंद्रभान (फरह, मथुरा) के निवासी थे। उनकी माता का नाम रामप्यारी था, जो धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। पिता रेलवे में जलेसर रोड स्टेशन के सहायक स्टेशन मास्टर थे।

1937 में जब वह कानपुर से बी०ए० कर थे, अपने सहपाठी बालूजी महाशब्दे की प्रेरणा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आये। संघ के संस्थापक डॉ० हेडगेवार का सान्निध्य कानपुर में ही मिला। उपाध्याय जी ने पढ़ाई पूरी होने के बाद संघ का दो वर्षों का प्रशिक्षण पूर्ण किया और संघ के जीवनव्रती प्रचारक हो गये। आजीवन संघ के प्रचारक रहे।

संघ के माध्यम से ही उपाध्याय जी राजनीति में आये। 21 अक्टूबर 1951 को डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना हुई। गुरुजी (गोलवलकर जी) की प्रेरणा इसमें निहित थी। 1952 में इसका प्रथम अधिवेशन कानपुर में हुआ। उपाध्याय जी इस दल के महामंत्री बने। इस अधिवेशन में पारित 15 प्रस्तावों में से 7 उपाध्याय जी ने प्रस्तुत किये। डॉ० मुखर्जी ने उनकी कार्यकुशलता और क्षमता से प्रभावित होकर कहा– "यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाएं, तो मैं भारतीय राजनीति का नक्शा बदल दूँ।"

1967 तक उपाध्याय जी भारतीय जनसंघ के महामंत्री रहे। 1967 में कालीकट अधिवेशन में उपाध्याय जी भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वह मात्र 43 दिन जनसंघ के अध्यक्ष रहे। 10/11 फरवरी 1968 की रात्रि में मुगलसराय स्टेशन पर उनकी हत्या कर दी गई। 11 फरवरी को प्रातः पौने चार बजे सहायक स्टेशन मास्टर को खंभा नं० 1276 के पास कंकड़ पर पड़ी हुई लाश की सूचना मिली। शव प्लेटफार्म पर रखा गया तो लोगों की भीड़ में से कोई चिल्लाया– "अरे, यह तो भारतीय संघ के अध्यक्ष दीन दयाल उपाध्याय हैं।" पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गयी।

दीनदयाल कामधेनु गौशाला फार्मेसी के उत्कृष्ट गोमय उत्पाद

एलोपैथिक दवाओं के बढ़ते साइड इफेक्ट (दुष्प्रभावों) से लोगों का रुझान प्राकृतिक चिकित्सा की ओर होने लगा है। वे न सिर्फ भागमभाग भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए योग, व्यायाम व आत्मचिंतन कर रहे हैं बल्कि होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा पद्धति की ओर अग्रसर हैं। जिसमे देश विदेश में आयुर्वेद औषिधियों ने अपनी एक अलग ही पहचान बनायीं है। २५ से २७ सितम्बर तक ग्रेटर नॉएडा स्थित एक्सपो सेंटर में आयोजित आयुयोग एक्सपो हुआ। जिसमे देश–विदेश की कई नामी आयुर्वेदिक कंपनियों के स्टाल लगे। देश के सबसे पुराने ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बना चुके दीनदयाल कामधेनु गोशाला फार्मेसी ने पहली बार इस तरह के एक्सपो में हिस्सा लिया। वहीं दीनदयाल फार्मेसी के पंचगव्य के नाम से मिल रहे गोमय प्रोडक्ट्स के बारे में जानने के लिए स्टाल पर आगंतुकों की भारी भीड़ रही। जोकि अपने आप में आकर्षण का केंद्र बना रहा।

राम राघोबा राणे

मध्यम मशीन से दुश्मन के विमान को मार गिराया

राम राघोबा राणे का जन्म मराठा समुदाय के एक परिवार में हुआ था। बाद में वे दक्षिण भारत में बस गए। उन्होंने लगभग 21 वर्षों तक सेना में सेवा की और पांच मेंशन–इन–डिस्पैच प्राप्त किए। 1947–48 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के अलावा, वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा युद्ध का भी हिस्सा थे। कभी–कभी यह उल्लेख किया जाता है कि उन्होंने एक मध्यम मशीनगन के साथ दुश्मन के एक विमान को भी मार गिराया था। उनका जन्म 26 जून 1918 को कर्नाटक के चेंदिया गांव में हुआ था जहां उनकी प्राथमिक शिक्षा हुई थी। उनके पिता पुलिस में थे, जो एक हस्तांतरणीय नौकरी थी। राणे भी अपने माता–पिता के साथ घूमते रहे। इसलिए, उनकी पढ़ाई देश के विभिन्न हिस्सों में हुई। एक सैनिक भी दिल से खिलाड़ी होता है और ऐसा ही राणे भी था। वह लगभग 22 साल की उम्र में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेना में शामिल हुए थे। उन्हें जुलाई 1940 में बॉम्बे सैपर्स में कमीशन दिया गया था। वे 1950 तक 37 फील्ड कंपनी में रहे और उसके बाद बॉम्बे इंजीनियर्स ग्रुप सेंटर में तैनात हो गए। 1947–48 के युद्ध के दौरान उनकी वीरता के लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। कश्मीर महाप्रभु मेले के दौरान उन्हें थल सेनाध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वह 25 जून 1968 को सेवानिवृत्त हुए। लेकिन वे 1971 तक सेना के साथ काम करते रहे। वह अभी भी सेना के साथ–साथ हमारे दिलों में भी एक विशेष स्थान रखते हैं।

विजय के लिए रास्ता बनाना – 10 अप्रैल 1948

स्टुअर्ट टैंक के ठीक नीचे और एक सुरंग के अंदर एक आदमी झुक रहा था। वह सुरंग के अंदर झुकते हुए टैंक की आवाज और गति का अनुसरण करने की कोशिश कर रहा था। वह बुरी तरह घायल हो गया था और मुश्किल से अपने आप चल पाता था। लेकिन फिर भी वह लगातार खुद को आगे की ओर घसीट रहा था। यह सैनिक थे राम राघोबा राणे,

> ***वह लगभग 22 साल की उम्र में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेना में शामिल हुए थे। उन्हें जुलाई 1940 में बॉम्बे सैपर्स में कमीशन दिया गया था। वे 1950 तक 37 फील्ड कंपनी में रहे और उसके बाद बॉम्बे इंजीनियर्स ग्रुप सेंटर में तैनात हो गए। 1947-48 के युद्ध के दौरान उनकी वीरता के लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।***

जिन्हें अपने जीवन काल में परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। पाकिस्तानी सैनिकों ने राजौरी में अपनी लूट और हत्याओं से कहर बरपा रखा था. इसलिए, राणे और उनके सैनिकों के लिए जल्द से जल्द राजौरी पहुंचना अनिवार्य था। उन्हें टैंकों से गुजरने के लिए खदानों

राम राघोबा राणे
(परमवीर चक्र)

और बाधाओं को साफ करने का आदेश दिया गया था। हर गुजरते पल निर्दोष निवासियों के लिए मौत और अपमान लेकर आया, जबकि राणे और उनके सैनिकों द्वारा उठाया गया हर कदम राजौरी के निवासियों के लिए नए जीवन का वादा था। राजौरी की यात्रा आसान नहीं थी। उन पर हर तरफ से हमले हो रहे थे। राणे ने टैंक को कवर के रूप में इस्तेमाल किया और एक सुरंग खोदकर और उसमें से रेंग कर राजौरी के लिए अपना रास्ता बना लिया। अचानक राणे को एक गोल गड्ढा दिखाई दिया, जो एक बारूदी सुरंग था। अब तक ये लोग रस्सियों को खींचकर टैंक के हिलने या रुकने का इशारा करते थे। एक बार फिर उन्होंने अपने दाहिने हाथ में रस्सी खींची और बारूदी सुरंग खोदने लगे। वे मिट्टी से ढके हुए थे। सावधानी से उन्होंने ढक्कन हटा दिया, डायनामाइट को निष्क्रिय कर दिया और ढक्कन को वापस रख दिया। टैंक को आगे बढ़ने का संकेत देते हुए उनके बाएं हाथ की रस्सी खींची गई।

भारतीय सेना में 12वीं के बाद खुल जाते है निम्न विकल्प

NDA@NA: अगर आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास हैं तो आप नेशनल डिफेंस अकादमी (NDA)/नवल अकादमी (NA) के लिए आवेदन कर सकते हैं. यह परीक्षा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की तरफ से एक वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है. पहली परीक्षा अप्रैल–मई में होती है. जबकि दूसरी परीक्षा अक्टूबर–नवंबर में आयोजित की जाती है. NDA@NA के तहत चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को जल सेना, थल सेना और वायु सेना में लेफ्टिनेंट बनाया जाता है.

NDA@NA परीक्षा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की तरफ से एक वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। NDA@NA के तहत चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को जल सेना, थल सेना और वायु सेना में लेफ्टिनेंट बनाया जाता है।

IAFCAT Recruitment

वायु सेना में भर्ती के लिए इंडियन एयरफोर्स की तरफ से कॉमन एडमिशन टेस्ट आयोजित किया जाता है. इसके लिए 12वीं साइंस और आर्ट स्ट्रीम से पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. इस भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों की आयु 16 वर्ष से 19 वर्ष होनी चाहिए.

IAF Group X and Y Recruitment 2021:

इंडियन एयरफोर्स में भर्ती के लिए Group X and Y पदों पर भर्तियां की आयोजित की जाती हैं। जिसके लिए 10वीं और 12वीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. अभी इस भर्ती के लिए आवेदन 22 जनवरी से भरे जाएंगे.

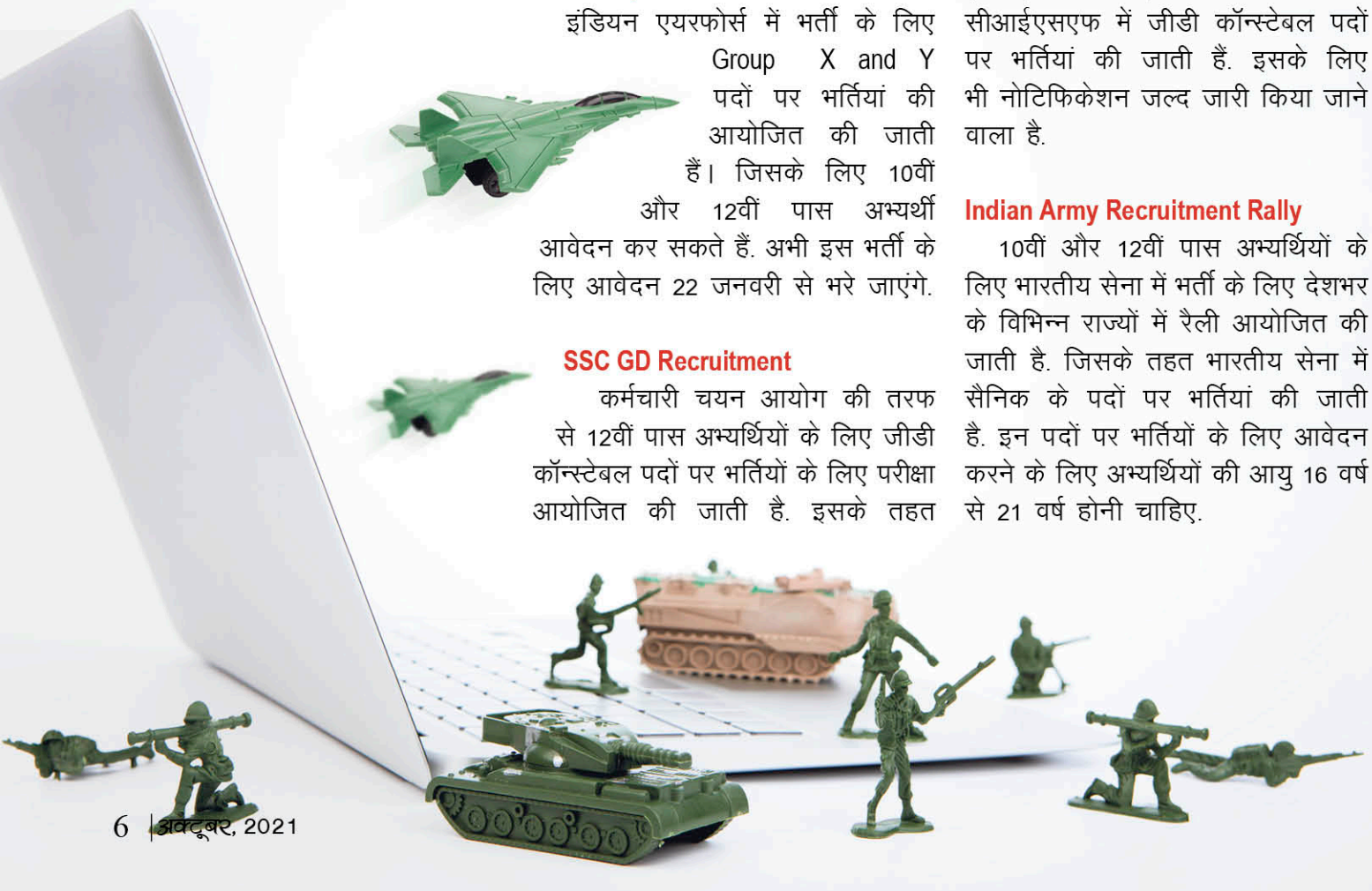

SSC GD Recruitment

कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से 12वीं पास अभ्यर्थियों के लिए जीडी कॉन्स्टेबल पदों पर भर्तियों के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है. इसके तहत बीएसएफ, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) सीआरपीएफ, असम रायफल्स, सीआईएसएफ में जीडी कॉन्स्टेबल पदों पर भर्तियां की जाती हैं. इसके लिए भी नोटिफिकेशन जल्द जारी किया जाने वाला है.

Indian Army Recruitment Rally

10वीं और 12वीं पास अभ्यर्थियों के लिए भारतीय सेना में भर्ती के लिए देशभर के विभिन्न राज्यों में रैली आयोजित की जाती है. जिसके तहत भारतीय सेना में सैनिक के पदों पर भर्तियां की जाती है. इन पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों की आयु 16 वर्ष से 21 वर्ष होनी चाहिए.

भारतीय सेना में निकली भर्ती, ग्रेजुएट पास महिला-पुरुष अभ्यर्थी करें आवेदन

भारतीय सेना में नौकरी की तलाश कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है. भारतीय सेना ने सशस्त्र बलों में शॉर्ट सर्विस कमिशन (Indian Army SSC Recruitment 2021) टेक्निकल पदों के लिए कुल 87 रिक्तियों की नियुक्ति के लिए भर्ती अभियान शुरू किया है। भर्ती के लिए नोटिस आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

इंडिया आर्मी रिक्तियों के लिए (Indian Army Jobs) ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 28 सितंबर 2021 से शुरू होगी। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी भारतीय सेना (Sena Bharti 2021) भर्ती के लिए आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy-nic-in पर जाकर 27 अक्टूबर 2021 तक या उससे पहले ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। भारतीय सेना भर्ती 2021 का डिटेल नोटिफिकेशन जल्द ही जारी किया जाएगा।

भर्ती डिटेल

एसएससी (टेक्निकल) – 58 पद

एसएससी (टेक्निकल) महिला – 29 पद

ये अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदन

भर्ती के लिए किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से संबंधित ट्रेड में इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री कोर्स पास कर चुके या इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स के फाइनल ईयर में पढ़ रहे अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी अभ्यर्थी नोटिफिकेशन में चेक कर सकते हैं।

आयु सीमा

आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों की आयु सीमा कम से कम 20 वर्ष और 27 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, आरक्षित वर्ग उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

चिट्ठी आई है.....

1. सैनिक मित्र बातचीत करने, लोगों तक पहुंचने का एक बेहतरीन मंच है इसमें गुणवत्ता और सार है .

Brig vinod Dutta (CEO
The Career Navigators)

2. मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि "सैनिक मित्र संवाद" मासिक, हिंदी मैगज़ी नई – संस्करण' का प्रकाशन किया जा रहा है।
सामाजिक क्षेत्र में पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और समाज में जाग्रति लाने के लिए सहायक होती है। इसी से लोक कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है, ऐसा मेरा विश्वास है। सैनिक मित्र योजना युवाओं को सेना में भर्ती के लिए मार्गदर्शन देगी तथा देश हित में दिन रात कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे सैनिकों का मनोबल हमेशा ऊचाँ रहे इसके लिए इस तरह की पत्रिका के द्वारा संवाद करना एक बहुत ही अच्छा शुभारम्भ है।

मैं उक्त 'ई – संस्करण' के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेरित करता हूँ।
Prof. N. K Joshi
Vice Chancellor
Kumaun University
Nainital

भारतीय सेना के बारे में जाने रोचक तथ्य

- दुनिया की सबसे ऊंची रणभूमि है सियाचिन ग्लेशियर। समुद्र तल से पांच हजार मीटर ऊंचाई पर बरफ की चहारदिवारी में छुपकर दुश्मन पर नजर रखती है।
- दुनिया की सबसे बड़ी स्वैच्छिक सेना है भारत के पास। सभी सेवारत और रिजर्व सेना के पास अपनी सेवा देने या न देने का अधिकार होता है। यह अधिकार भारत के संविधान में भी दर्ज है। भारतीय सेना में किसी व्यक्ति का धर्म और जाति नहीं देखी जाती है।
- ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर लड़ने की महारत भारत के पास ही है। भारतीय सेना की ओर से हाई एल्टिटयुड वारफेयर स्कूल दुनियाभर के सैनिकों को प्रशिक्षण देता है।
- भारत ने दो बार परमाणु परीक्षण किया है। पहला 1970 और दुसरा 1990 में। इन परीक्षणों के बाद दुनिया ने भारत की ताकत देखी थी। कई खुफिया एजेंसियां भी इस परीक्षण के बाद ही जान पाई थी।
- मध्यप्रदेष में इंदौर जिले में स्थित महू भारत की पुरानी छावनियों में से एक है। 1840 से 1948 तक यहां रेजिमेंट का प्रशिक्षण होता था। यह उस समय का सेना का Military Headquarters fo War; MHOW) था। तभी से इसका नाम महु हो गया था।
- भारत पाकिस्तान के बीच लोंगेवाला लड़ाई में सिर्फ दो ही भारतीय जवान शहीद हुए थे। इसी लड़ाई पर सनी दयोल की फिल्म बार्डर बनी थी। खासबात यह थी कि मात्र 120 जवानों ने पाकिस्तान के 2000 सैनिकों को धूल चटा दी थी। भारतीय सेना के पास उस समय एक जीप थी और पाकिस्तानी सेना के पास करीब 2000 टैंक थे।
- भारतीय सेना ने 2013 में आपरेशन राहत चलाया था। जो अब तक का सबसे बड़ा बचाव मिशन था। यह मिशन भारतीय वायु सेना ने चलाया था। उत्तराखंड में आई भयंकर बाढ़ के दौरान इन जांबाज सैनिकों ने 20 हजार लोगों को बचाया था।
- भारतीय सेना के पास घुड़सवार सेना की रेजीमेंट भी है, जो दुनिया में तीन देशों के पास ही है।
- भारत में सबसे बड़ी निर्माण एजेंसियों में से एक है सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस)। एमईएस और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) पर देश की बेहद शानदार सड़कों के निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी है। दुनिया में सबसे ऊँची सड़क खर्दुन्गला और चुम्बकीय पहाड़ी जैसी सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी यह एजेंसी करती है।
- 1971 में भारत और पाकिस्तान युद्ध हुआ था। युद्ध में पराजय के बाद 93000 पाकिस्तानी जवानों ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था। यह अब तक का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण था।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा अपनी राय एवं अपने सुझाव हमें निम्न ई–मेल smsamvad@gmail.com पर अवश्य भेजें।

सम्पादकः प्रमोद कामत, **उप–सम्पादकः** दीपक स्वरूप
संरक्षकः डा. हेमेन्द्र सिंह यादव, **सलाहकार मण्डलः** रवि पाराशर एवं विनोद राजपूत